

रो-रो-हारीं अखियाँ...

ओ कान्हा ^{ॐ नमो} रो-रो-हारीं अखियाँ

रूने पड़े हैं- सावन झूले

के-खों झुलाये सखियाँ

ओ कान्हा-----

राये हो कन्हैया- खबर भी न लीन्ही

कैसी बनाई बतियाँ

ओ कान्हा-----

माता-यशोदा रो-रो हारीं

घड़कन लागी दूतियाँ

ओ कान्हा-----

राधा सजाये सेज-पड़ी है

काटी-कटें न रतियाँ---

ओ कान्हा-----

आजा "श्रीबाबाश्री" सब रो-रो निहारें

झूठी हँसेगी दुनियाँ

ओ कान्हा-----